INDIA NON JUDICIAL

२०००रु.   Rs 1000

एक हजार रुपये   ONE THOUSAND RUPEES

2 APR 1996

सही प्रत

## DEED OF GIFT

KNOW ALL MEN BY THESE PRESENTS that OM PRAKASH CHAUDHRI s/o. SHRI DEVI DAYAL CHAUDHRI R/o. 86/93, Kurmetola Maqboolganj, Lucknow, U.P. (hereinafter called the Donor AND SARDAR PATEL SHIKSHAN SAMITI, Lucknow, Reg. No. 1087/95/96, Reg. Office 86/93, Kurmi Tola Maqboolganj, Lucknow (U.P.) (hereinafter called the Donee.

WHEREAS the said Donor is the absolute owners and in possessioin of the Agricutral land Khasra

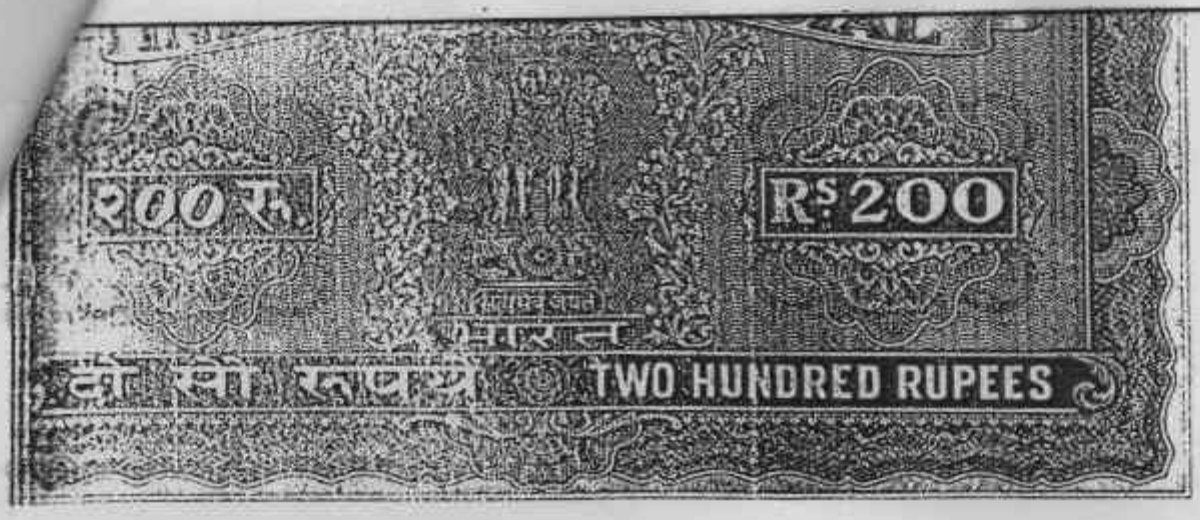

२०० रु. Rs 200

भारत

दो सौ रुपये TWO HUNDRED RUPEES

[illegible] 23

2 APR 1996

[illegible] Sardar Patel

[illegible]

मुद्रांक विक्रेता



No. 545, 546, 548, 549, 551, 557 and 558 premises property described hereinafter fully mentioed and described in the Schedule hereto situated in UTARATHIA BAZAR, Lucknow, . As the Donor is a absolute owner of the property mentioned at the foot of this deed, and the donee need such property for the same. Therefore decided with my free will to make Gift though the present Gift Deed the aforesaid property to the Donee.

[illegible] OPChaudhry

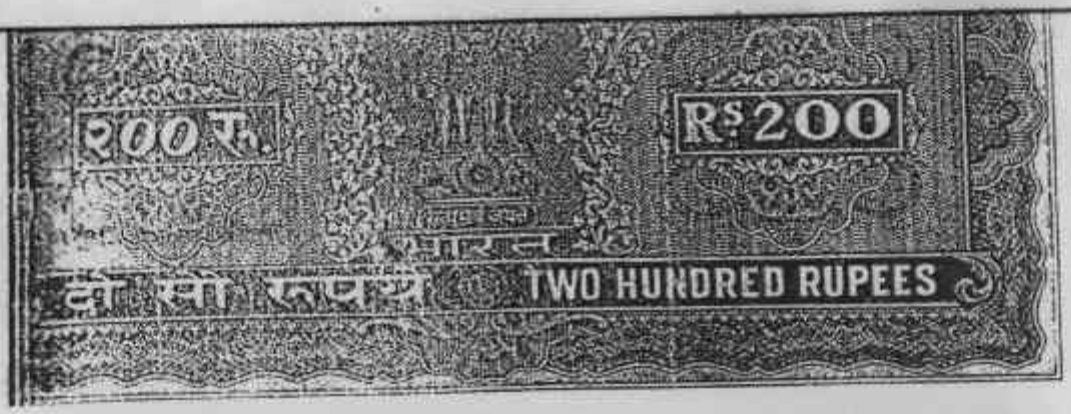




AND WHEREAS the said Sardar Patel Shikshan Samiti, Lucknow is active for social work. The said Donors have great affections for the said Donee and is desirous out of such natural effection of disposing of the said properties in the manner hereinafter appearing. AND the Donors have every rights to execute this Deed of Gift.

NOW THIS DEED OF GIFT WITNESSES:

That in pursuance of the said intention and the consideration of the natural affection, which the said donors have for the said donee. The said donor's out of his free will, without fraud, coercion or undue influence from any body whomsoever and in full possession of his senses does hereby give convey grant, transfer and confirm unto the said Donee all of the said land

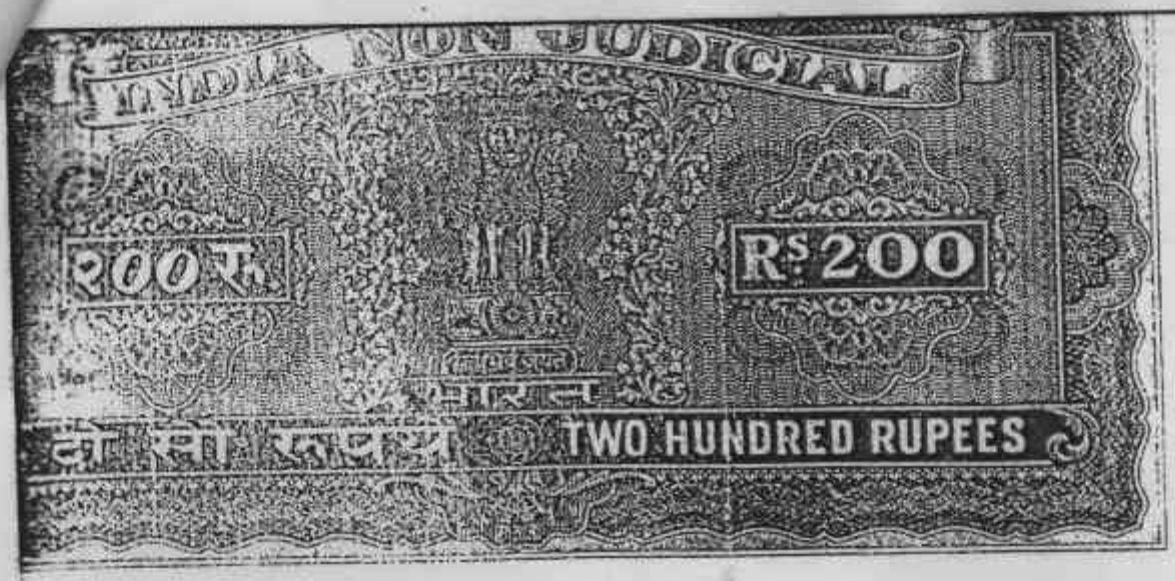




TO HAVE AND TO HOLD the said land hereby gifted unto and to the use of the said Donee for ever and absolutely.

AND THAT the said Donee shall and may from time to time and at all times hereafter peaceably and quietly enter upon , have hold occupy passes and enjoy the property hereby

gifted and receive and take the profit thereof and of every part thereof, without any let or hindrance whatsoever from or by or persons claiming from under or in trust of him. The Donors are hereby transfer (through this deed) the rights title and possession to the donee, who became the absolute owner of the such property, wich comes the total value of Rs. 50,000/-.

AND , in such circumstances the value. Thus the stamp duty is hereby paid on the 50,000/- . The aforesaid value is not exceeding Rs. 5,00,000/- and thing income tax, clearance certificate is not required to filed.

**DESCRIPTION OF THE PROPERTY**

Plot No. 545, 546, 548, 549, 551, 557 and 558 UTARATHIA pergana, Bijnour, Teh. and District Lucknow.

IN WITNESS WHEREOF the Donors have signed the Deed with free will in presence of the witness on the day 2nd April, 1996 at Bombay.

DONORS

WITNESSES:

1.

आलाणप्रमाण फी मिळाली—

सन १९८८ मे आगस्ट महिन्यांत
९ तारीख ९२ ब
९ ... वाजता दस्त दुय्यम निबंधक,
मुंबई यांचे कार्यालयात हजर केला.

× Chaudhary

C/A Smt Maltidevi
and others

| | रु. पै |
|---|---|
| नोंदणी ... | 2000-00 |
| नं ... | ..50-00 |
| नक्कल (फोलिओज) .. | ..75-00 |
| पृष्ठांकन .. | ..2-00 |
| फाईलींग .. | ..30-00 |
| टपाल .. | ..33-00 |
| एकूण | 2930-00 |

दुय्यम निबंधक, मुंबई

दुय्यम निबंधक, मुंबई.
अभिलेखी कुलमुखत्यारपत्राबाबतीत निबंधकांचे सर्व अधिकार असलेला.

(1) श्रीमती मालती देवी S/o श्री रामाधीन सिंग (2) श्री लोकनाथ सिंग S/o श्री फुलचन्द (3) श्री अशोककुमार S/o श्री उमाशंकर रा० 28/83 कुर्मी टोला मकबूल गंज लखनौ (4) श्री चंद्रप्रकाश S/o श्री ज्ञानप्रताप रा० चकोली लखनौ नं 1 ते 4 यांचे मुखत्यार मिस स्नेहलता D/o श्री एल. एन. चौधरी वय वर्षे 29 धं० विद्यार्थी रा० 28/83 कुर्मी टोला मकबूल गंज लखनौ

दस्तऐवज करून देणार,

तथाकथित स्वदेखत दस्तऐवज करून दिल्याचे कबूल करतात.

× Chaudhary

(1) श्री राजेशकुमार पांडे S/o एम. एन. पांडे व्यवसाय रा० चिनहट लखनौ
(2) श्री मोहमद जमा वकील रा० 58 ... गंज लखनौ.

हे दोघे वरील दस्तऐवज करून देणाऱ्यास ओळखत असल्याचे सांगतात व ओळख देतात.

× राजेश ...

दुय्यम निबंधक, मुंबई

दुय्यम निबंधक, मुंबई

नागरी जमीन कमाल मर्यादा कायदा १९७६
कलम २० प्रमाणे ... जमिनीचे
हस्तांतरण ... पक्षकारास
... 

दि.२-४-९६ ... नियंत्रक, मुंबई.

आर-३बलल २९६/९६
... क्रमांक १ ...... क्रमांक ... पान
... 
... २-४-९६

...
...

नक्कल सानु पोने ....
रुजवात घेतली ....

THE SEAL OF THE SUB-REGISTRAR

THE SEAL OF THE SUB-REGISTRAR
BOMBAY

खरी प्रत

... निबंधक, मुंबई

१६/०२/९८

भारतीय गैर न्यायिक

भारत

दस रुपये

TEN RUPEES

रु.10

Rs.10

सत्यमेव जयते

INDIA

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH 132 25/4/2005 25AD 284899

नकल आदेश दिनांक 25/04/2005 द्वारा पारित उपजिलाधिकारी सदर लखनऊ वाद संख्या 241/04-05 धारा 143 ZALR Act सरदार पटेल शिक्षण समिति बनाम उ0प्र0 सरकार, ग्राम- [illegible], परगना [illegible] त0 व जिला लखनऊ

आवेदित छायाप्रति संलग्न है।

(राम कुमार मौर्य)
अभिलेखपाल
कार्यालय उपजिलाधिकारी / मजिस्ट्रेट
सदर, लखनऊ

सत्य प्रतिलिपि

कार्यालय उपजिलाधिकारी/मजिस्ट्रेट सदर, लखनऊ

132
25/7/05

न्यायालय उप जिलाधिकारी/सहा0 कलेक्टर(प्र0श्रे0), सदर, लखनऊ।

वाद सं0 – 291/05 06
सरदार पटेल शिक्षण समिति बनाम उ0प्र0 सरकार।
धारा–143 जेड0ए0एल0आर0एक्ट
ग्राम–उतरठिया, परगना–बिजनौर
तहसील– सदर, जिला–लखनऊ।

निर्णय

प्रस्तुत वाद कार्यवाही सरदार पटेल शिक्षण समिति (रजिस्टर्ड) पता 86/93, कुर्मी टोला, मकबूल गंज, लखनऊ द्वारा सचिव डा0 स्नेहलता सिंह, पत्नी अनुराग सिंह निवासी 14, सरदार पटेल मार्ग, कैन्टोनमेन्ट, लखनऊ द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना–पत्र अन्तर्गत धारा 143 जेड0ए0एल0आर0एक्ट के अन्तर्गत प्रारम्भ की गई। प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना–पत्र में यह अभिलिखित है कि प्रार्थी खसरा संख्या 568 रकबा 0.4930 हे0 खसरा संख्या 565 रकबा 0.117 हे0 खसरा संख्या 566 रकबा 0.114 हे0 खसरा संख्या 567 रकबा 0.101 हे0, खसरा संख्या 557 रकबा 0.240 हे0 व खसरा संख्या 558 रकबा 0.6830 हे0 स्थित ग्राम उतरठिया का संक्रमणीय भूमिधर है। उक्त भूमि पर कृषि कार्य नहीं हो रहा है। प्रार्थी के भूमि के आस–पास की भूमि पर आवासीय विकास भी सरकारी विभागो द्वारा किया जा रहा है। प्रार्थी की उपरोक्त भूमि संख्याओं को सरकार द्वारा अधिग्रहीत भी नहीं किया गया है। प्रार्थी ने चारों ओर से बाउन्ड्रीवाल करवा रखा है। प्रार्थी संस्था सामाजिक व आर्थिक रूप से पिछड़ वर्ग के लोगों के उत्थान हेतु शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन एवं शिक्षार्थियों के आवास हेतु हास्टल आदि का निर्माण आदि का कार्य कराने हेतु उपरोक्त भूमि पर विकास कार्य कर रही है। अन्त में प्रार्थी द्वारा उक्त भूमि को आकृषिक घोषित करने की याचना की गई।

उक्त प्रार्थना–पत्र पर तहसीलदार सदर, लखनऊ से आख्या प्राप्त की गयी। तहसीलदार, सदर, लखनऊ ने अपनी आख्या दिनांक 22.08.2005 में यह कहा है कि ग्राम उतरठिया की गाटा संख्या 568, 565, 566, 567, 557 व 558 कुल रकबा 1.748 हे0 प्रार्थी के नाम संक्रमणीय भूमिधर दर्ज है। उक्त भूमि पर बाउन्ड्रीवाल बनी है, एक भवन निर्माणाधीन है, कृषि कार्य नहीं होता है। भूमि अनुसूचित जाति के व्यक्ति की नहीं है। लखनऊ महानगर योजना 2021 में भूमि का भू–उपयोग आवासीय दर्ज है। नियम 135(6) के अनुसार नियमानुसार शुल्क जमा करा कर निर्मित क्षेत्रफल की पैमाइश की गई है। राजस्व निरीक्षक की आख्या दिनांक 24.09.2005 से यह भी स्पष्ट है कि प्रश्नगत भूमि अवंटन की नहीं है और न ही प्रश्नगत भूमि किसी योजना के अन्तर्गत प्रस्तावित है। गैर कृषिक प्रयोजन घोषित करने हेतु आख्या सम्प्रेषित है।

सत्य प्रतिलिपि

(राम कुमार मौर्य)
अभिलेखपाल
कार्यालय उपजिलाधिकारी/मजिस्ट्रेट
सदर, लखनऊ

वाद दर्ज रजिस्टर कर विपक्षी को नोटिस जारी की गयी, जो वाद तामील पत्रावली पर संलग्न है। किसी प्रकार की कोई आपत्ति पत्रावली पर प्रस्तुत नहीं है।

मेरे द्वारा पत्रावली पर उपलब्ध तथ्यों/साक्ष्यों एवं तहसीलदार सदर की आख्या का विधिवत अवलोकन व परिशीलन किया गया और प्रार्थी की मौखिक बहस को विस्तारपूर्वक सुना गया। प्रार्थी द्वारा वादीय भूमि पर हुये निर्माण का छाया चित्र भी पत्रावली पर प्रस्तुत किया गया है जिससे यह स्पष्ट होता है कि उक्त भूमि पर कृषि कार्य वर्तमान समय में नहीं किया जा रहा है, बल्कि प्रश्नगत भूमि का उपयोग अकृषिक रूप में किया जा रहा है। ऐसी दशा में मौके पर भूमि का उपयोग गैरकृषिक होने के कारण उक्त भूमि को अकृषिक घोषित किये जाने में कोई विधिक बाधा नहीं है।

आदेश

अतः प्रश्नगत भूमि के परिप्रेक्ष्य में प्राप्त तहसीलदार, सदर की आख्या दिनांक 22.08.2005 की पुष्टि की जाती है। ग्राम औरंगाबाद खालसा, परगना तहसील व जिला लखनऊ की गाटा संख्या 568 रकबा 0.4930 हे0, गाटा संख्या 565 रकबा 0.117 हे0, गाटा संख्या 566 रकबा 0.114 हे0, गाटा संख्या 567 रकबा 0.101 हे0, गाटा संख्या 557 रकबा 0.240 हे0 व गाटा संख्या 558 रकबा 0.6830 हे0, को कृषि प्रयोजन से भिन्न प्रयोजन की भूमि (अकृषिक) घोषित किया जाता है। अभिलेखों में अमल-दरामद हेतु आदेश की एक प्रति तहसीलदार सदर, लखनऊ को व आदेश की एक प्रति उप निबन्धक , लखनऊ को भेजी जाए। बाद आवश्यक कार्यवाही पत्रावली दाखिल दफ्तर हो।

23/9/05

(महेन्द्र सिंह)
उप जिलाधिकारी/सहा0कलेक्टर(प्र0श्रे0)
सदर, लखनऊ

उपरोक्त आदेश आज दिनांक 25/09/2005 को मेरे द्वारा हस्ताक्षरित, दिनांकित एवं खुले न्यायालय उद्घोषित किया गया।

सत्य प्रतिलिपि

14/3/18

कार्यालय उपजिलाधिकारी/मजिस्ट्रेट, सदर, लखनऊ

(राम कुमार मौर्य)
अभिलेखपाल
कार्यालय उपजिलाधिकारी/मजिस्ट्रेट
सदर, लखनऊ

25/9/05

(महेन्द्र सिंह)
उप जिलाधिकारी/सहा0कलेक्टर(प्र0श्रे0)
सदर, लखनऊ

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

2 APR 1996

सुद्रांक विक्रेता

खरी प्रत

## DEED OF GIFT

KNOW ALL MEN BY THESE PRESENTS that OM PRAKASH CHAUDHRI s/o. SHRI DEVI DAYAL CHAUDHRI R/o. 86/93, Kurmetola Maqboolganj, Lucknow, U.P. (hereinafter called the Donor AND SARDAR PATEL SHIKSHAN SAMITI, Lucknow, Reg. No. 1087/95/96, Reg. Office 86/93, Kurmi Tola Maqboolganj, Lucknow (U.P.) (hereinafter called the Donee.

WHEREAS the said Donor is the absolute owners and in possessioin of the Agricutral land Khasra

2 APR 1996

2.

No. 545, 546, 548, 549, 551, 557 and 558 premises property described hereinafter fully mentioed and described in the Schedule hereto situated in UTARATHIA BAZAR, Lucknow, . As the Donor is a absolute owner of the property mentioned at the foot of this deed, and the donee need such property for the same. Therefore decided with my free will to make Gift though the present Gift Deed the aforesaid property to the Donee.

२०० रु. Rs 200

दो सौ रुपये TWO HUNDRED RUPEES



AND WHEREAS the said Sarder Patel Shikshan Samiti, Lucknow is active for social work. The said Donors have great affections for the said Donee and is desirous out of such natural affection of disposing of the said properties in the manner hereinafter appearing. AND the Donors have every rights to execute this Deed of Gift.

NOW THIS DEED OF GIFT WITNESSES:

That in pursuance of the said intention and the consideration of the natural affection, which the said donors have for the said donee. The said donor's out of his free will, without fraud, coercion or undue influence from any body whomsoever and in full possession of his senses does hereby give convey grant, transfer and confirm unto the said Donee all of the said land

OPChaudhry

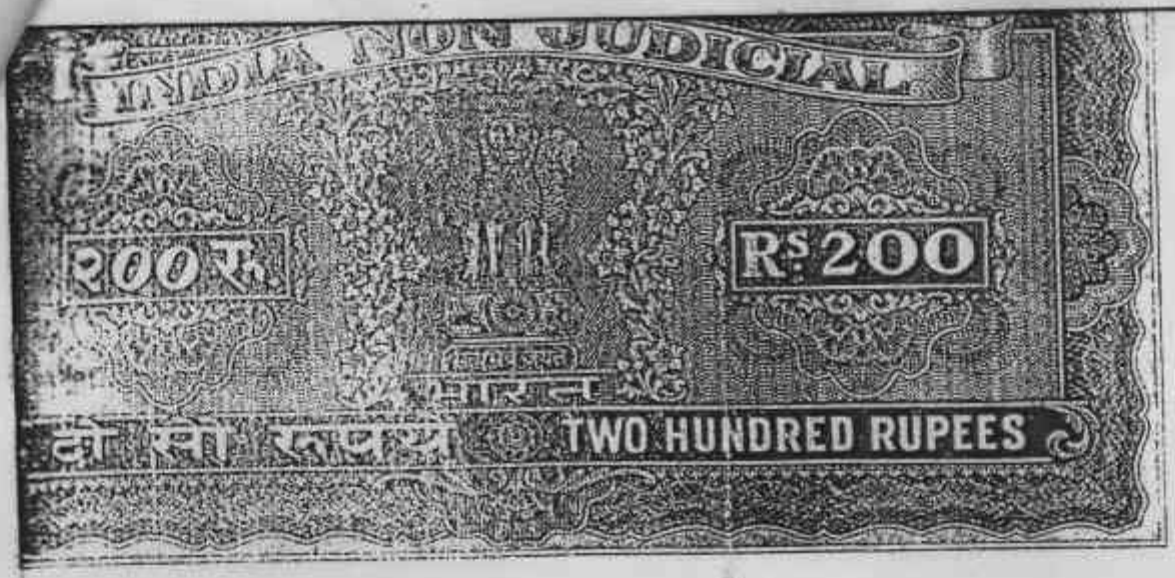




TO HAVE AND TO HOLD the said land hereby gifted unto and to the use of the said Donee for ever and absolutely.

AND THAT the said Donee shall and may from time to time and at all times hereafter peaceably and quietly enter upon , have hold occupy passes and enjoy the property hereby

gifted and receive and take the profit thereof and of every part thereof, without any let or hindrance whatsoever from or by or persons claiming from under or in trust of him. The Donors are hereby transfer (through this deed) the rights title and possession to the donee, who became the absolute owner of the such property, wich comes the total value of Rs. 50,000/-.

AND , in such circumstances the value. Thus the stamp duty is hereby paid on the 50,000/- . The aforesaid value is not exceeding Rs. 5,00,000/- and thing income tax, clearance certificate is not required to filed.

## DESCRIPTION OF THE PROPERTY

Plot No. 545, 546, 548, 549, 551, 557 and 558 UTARAṬHIA pargana, Bijnour, Teh. and District Lucknow.

IN WITNESS WHEREOF the Donors have signed the Deed with free will in presence of the witness on the day 2nd April, 1996 at Bombay.

DONORS

O.P. Chaudhry

WITNESSES:

1. Datadin Prasad
Main Kastruba Rd.
Borivali (E) Mumbai 400066

सन १९८८ चे आगस्ट महिन्याचे
६ तारखेला ९२ वा
९ ... वाजता ... दुय्यम निबंधक
मुंबई ... कार्यालयात हजर केला.

X Chaudhary

C/A Smt Maltidevi
and others.

| | रु. पै |
|---|---|
| नोंदणी | 2000-00 |
| नं | 50-00 |
| नक्कल (फोलिओ) | 75-00 |
| इजवान | 2-00 |
| फाईलींग | 30-00 |
| इमाठ | 33-00 |
| एकूण | 2930-00 |

दुय्यम निबंधक, मुंबई

दुय्यम निबंधक, मुंबई.
करिताची प्रतावली करण्याकरीता
निबंधकाचे सर्व अधिकार असलेला.

(1) श्रीमती मालती देवी S/o श्री रामाधीन सिंग (2) श्री लोकनाथ सिंग S/o श्री फुलचंद (3) श्री अशोककुमार S/o श्री उमाशंकर रा० 88/83 कुर्मी टोला मकबूल गंज लखनौ (4) श्री चंद्रप्रकाश S/o श्री ज्ञानप्रताप रा० चकौली लखनौ नं. 1 ते 4 यांचे मुखत्यार मिस स्नेहलता D/o श्री एल. एन. चौधरी वयवर्षे 29 विद्यार्थी रा० 88/83 कुर्मी टोला मकबूल गंज लखनौ

दस्तऐवज करून देणार,

स्थापित स्वरदीरवत दस्तऐवज
... कबूल करतात.

X Chaudhary

(1) श्री राजेशकुमार पांडे S/o एम. एन. पांडे व्यवसाय रा० चिनहट लखनौ
(2) श्री मोहमद जमा वकील रा० 48 ... गंज लखनौ.

हे दोघे वरील दस्तऐवज करून देणाऱ्यास ओळखत असल्याचे सांगतात व सही करतात.

X राजेश ...

दुय्यम निबंधक, मुंबई

दुय्यम निबंधक, मुंबई

नागरी जमीन (कमाल मर्यादा) कायदा १९७६
कलम २९ अन्वये ... जमिनीचे
... दस्तऐवज
नोंदणीस पात्र.

मुद्रांक निरीक्षक, मुंबई.

दि.२-४-९६

आर - ३बबल २९६/९६
... क्रमांक १ ...... क्रमांक ... पत्र
...
... २-४-९६

... नि...
अधिकारी ...
निबंधकाचे ...

नक्कल सानु पोने ....
रूजवात घेतली ....

खरी प्रत
... मुंबई
दुय्यम निबंधक, मुंबई

१६/०२/९८